

- जाए जैसे- descending series विलो. आरोही श्रेणी।
- अवरोही श्रेणी स्त्री.** (तत्.) दे. अवरोही श्रेणी ।
- अवरोही स्वर पुं.** (तत्.) संगी. गायन क्रिया का तृतीय प्रकार जिसमें स्वरों का क्रमशः उतार होता है, जैसे- नि ध प म ग रे सा तु. आरोही स्वर।
- अवर्ग वि.** (तत्.) जिसका कोई वर्ग, समूह या श्रेणी न हो।
- अवर्गित वि.** (तत्.) 1. जो किसी वर्ग में न हो 2. जिसका वर्गीकरण न हो पाया हो।
- अवर्ण वि.** (तत्.) 1. बिना रंग का, रंगहीन 2. बदरंग 3. वर्ण-धर्म रहित 4. घटिया पुं. 1. अकार, अक्षर 'अ' 2. अपशब्द।
- अवर्णक पुं.** (तत्.) भौ. विभिन्न रेशक वर्णों में विच्छेदित किए बिना प्रकाश का अपवर्तन कर सकने में समर्थ जीव. प्राणी या पादप के प्राकृतिक रंग के कारक पदार्थ का न होना जैसे- अवर्णक प्रिज्म। achromatic
- अवर्ण्य वि.** (तत्.) 1. जो वर्ण्य न हो, जिसका वर्णन न किया जा रहा हो या न किया जाने वाला हो, जो वर्णनीय न हो 2. जो उपमेय न हो।
- अवर्तन पुं.** (तत्.) 1. जीविका का अभाव, जीविका का न होना 2. न रहना, न होना पुं. दे. आवर्तन ।
- अवर्तमान वि.** (तत्.) 1. जो वर्तमान न हो 2. अनुपस्थित, अप्रस्तुत, अविद्यमान 3. भूत या भविष्यत्।
- अवर्तुलित वि.** (तत्.) जो गोलाकार न हो भाषा. स्वरों के उच्चारण की वह विशेषता जिसमें पश्च स्वरों को बिना होंठ गोल किए बोला जाता है जैसे- फ्रांसीसी भाषा में u का उच्चारण अवर्तुलित है, अर्थात् ऊ का उच्चारण ई की तरह फैले हुए होठों से किया जाता है। un-rounded

- अवर्धमान वि.** (तत्.) जो बढ़ न पा रहा हो, जिसका विकास रुक गया हो।
- अवर्षण पुं.** (तत्.) 1. वर्षा का अभाव, अनावृष्टि, सूखा।
- अवलंघन पुं.** (तत्.) दे. उल्लंघन ।
- अवलंब पुं.** (तत्.) 1. आश्रय, आधार, सहारा 2. परिशिष्ट।
- अवलंबन पुं.** (तत्.) 1. आश्रय, सहारा, आधार 2. छड़ी।
- अवलंबित वि.** (तत्.) आश्रित, (किसी) सहारे पर स्थित, टिका हुआ, निर्भर।
- अवलंबी वि./पुं.** (तत्.) 1. सहारा लेने वाला 2. आश्रय लेने वाला 3. पालने वाला, आश्रयी 4. शरणागत।
- अवलक्ष वि.** (तत्.) शुभ्र, श्वेत, उजला (पक्ष) पर्या. वलक्ष।
- अवलग्न वि.** (तत्.) 1. (नीचे या साथ) लगा हुआ, मिला हुआ 2. संबंध रखने वाला पुं. शरीर का मध्य भाग, कमर।
- अवलि स्त्री.** (तत्.) दे. अवली।
- अवलिप्त वि.** (तत्.) 1. लीन, लगा हुआ 2. लेपा या पोता हुआ, 3. आसक्त 4. घमंडी, अभिमानी।
- अवलिप्तता स्त्री.** (तत्.) 1. अवलित होने का भाव या स्थिति, लीनता, मग्नता 2. अहंकार 3. मोह।
- अवलिप्ति स्त्री.** (तत्.) दे. अवलिप्तता।
- अवली स्त्री.** (तत्.) 1. पंक्ति, पाँत, लाइन, श्रेणी 2. नवान्न के लिए खेत से काट कर लाया गया कुछ अंश।
- अवलीक वि.** (तत्.) 1. अपराधशून्य, पापशून्य, निष्पाप 2. शुद्ध, पवित्र 3. दोषरहित।
- अवलुंचन पुं.** (तत्.) 1. (जड़ से) उखाड़ना, नोचना 2. काटना 3. छेदना।